उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण)

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता,खण्ड कार्यालय , उ० प्र० जल निगम(ग्रामीण)
औद्योगिक क्षेत्रसंत कबीर नगर। -खलीलाबाद, जनपद,
cdsantkabirnagar@gmail.com -I I.D:mai-E, -:mail I.D-E eeruralskngmail.com@,

पत्रांक 437 / w-05 / 38 दिनांक 03/06/2026

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक महोदय,
उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण),
लखनऊ।

विषय – हिन्दुस्तान समाचार पत्र में दिनांक 01.06.2026 को प्रकाशित खबर के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक के संबंध में सादर अवगत कराना है कि दिनांक 01.06.2026 हिन्दुस्तान समाचार पत्र में प्रकाशित खबर ***"237.86 लाख की जल जीवन मिशन परियोजना अधर में लटकी"*** के संबंध में अवगत कराना है कि वि0ख0- नाथनगर में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत **कठैचा पेयजल योजना** के अन्तर्गत ओवरहेड टैंक का कार्य 30 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है, पम्प हाऊस एवं, बाऊण्ड्रीवाल का कार्य 95 प्रतिशत, वितरण प्रणाली का कार्य 13.53 किमी0 के सापेक्ष 7.45 किमी0 तथा हाऊस कनेक्शन का कार्य 218 के सापेक्ष 55 नग पूर्ण है, कराये गये कार्यो के बीजकों का भुगतान लगभग 01 वर्ष से लम्बित है। जिसके कारण फर्म को आगे कार्य कराने में समस्या हो रही है, शासन द्वारा 90 प्रतिशत पूर्ण योजनाओं के बीजकों का ही भुगतान किया जा रहा है, अवशेष भुगतान प्राप्त होने पर फर्म द्वारा उक्त योजना के शेष कार्यो को अतिशीघ्र पूर्ण करा लिया जायेगा।

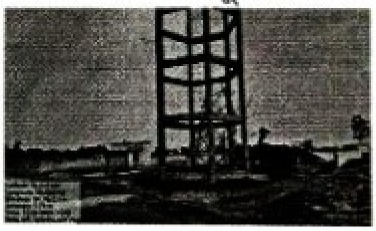

भवदीय

(महेन्द्र राम)
अधिशासी अभियन्ता

पृ०स० एवं दिनांक तदैव-

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

1. जिलाधिकारी महोदय, संतकबीरनगर।
2. मुख्य विकास अधिकारी, संतकबीरनगर।
3. जिला सूचना अधिकारी, संतकबीरनगर।
4. अधीक्षण अभियन्ता, निर्माण मण्डल उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), बस्ती।
5. संबंधित सहायक अभियन्ता / जू0इं0।
6. कार्यदायी फर्म मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रा०लि०, संतकबीरनगर।

अधिशासी अभियन्ता

उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण)

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता,खण्ड कार्यालय , उ० प्र० जल निगम(ग्रामीण)
औद्योगिक क्षेत्रसंत कबीर नगर। -खलीलाबाद, जनपद,
cdsantkabirnagar@gmail.com -I I.D:mai-E, -:mail I.D-E eeruralskngmail.com@,

पत्रांक 437 / W-05 / 38 दिनांक 03/06/2026

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक महोदय,
उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण),
लखनऊ।

विषय – हिन्दुस्तान समाचार पत्र में दिनांक 01.06.2026 को प्रकाशित खबर के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक के संबंध में सादर अवगत कराना है कि दिनांक 01.06.2026 हिन्दुस्तान समाचार पत्र में प्रकाशित खबर ***"237.86 लाख की जल जीवन मिशन परियोजना अधर में लटकी"*** के संबंध में अवगत कराना है कि वि0ख0- नाथनगर में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत **कठैचा पेयजल योजना** के अन्तर्गत ओवरहेड टैंक का कार्य 30 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है, पम्प हाऊस एवं, बाऊण्ड्रीवाल का कार्य 95 प्रतिशत, वितरण प्रणाली का कार्य 13.53 किमी0 के सापेक्ष 7.45 किमी0 तथा हाऊस कनेक्शन का कार्य 218 के सापेक्ष 55 नग पूर्ण है, कराये गये कार्यो के बीजकों का भुगतान लगभग 01 वर्ष से लम्बित है। जिसके कारण फर्म को आगे कार्य कराने में समस्या हो रही है, शासन द्वारा 90 प्रतिशत पूर्ण योजनाओं के बीजकों का ही भुगतान किया जा रहा है, अवशेष भुगतान प्राप्त होने पर फर्म द्वारा उक्त योजना के शेष कार्यो को अतिशीघ्र पूर्ण करा लिया जायेगा।

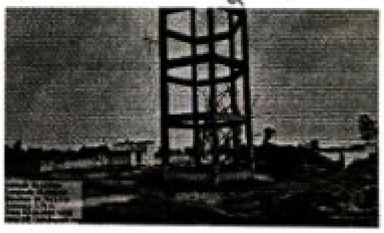

भवदीय

(महेन्द्र राम)
अधिशासी अभियन्ता

पृ०स० एवं दिनांक तदैव-

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

1. जिलाधिकारी महोदय, संतकबीरनगर।
2. मुख्य विकास अधिकारी, संतकबीरनगर।
3. जिला सूचना अधिकारी, संतकबीरनगर।
4. अधीक्षण अभियन्ता, निर्माण मण्डल उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), बस्ती।
5. संबंधित सहायक अभियन्ता / जू0इं0।
6. कार्यदायी फर्म मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रा०लि०, संतकबीरनगर।

अधिशासी अभियन्ता

दै0 हिन्दुस्तान संतकबीरनगर (बस्ती मंडल) पेज–5

₹237.86 लाख की जल जीवन मिशन परियोजना अधर में लटकी

लापरवाही

- स्ट्रक्चर खड़ा कर गायब हुई कार्यदायी संस्था
- शुद्ध पेयजल के लिए तरस रहे कटौवा-सिलवा के ग्रामीण

खलीलाबाद, हिन्दुस्तान संवाद। केंद्र और प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना खलीलाबाद विकास खंड के कटौवा गांव में अधिकारियों और कार्यदायी संस्था की लापरवाही की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। करीब 237.86 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन पानी टंकी का कार्य पिछले दस माह से पूरी तरह ठप पड़ा है। हालत यह है कि टंकी का ढांचा खड़ा कर कार्यदायी संस्था बीच से गायब हो गई है। जबकि ग्रामीण आज भी शुद्ध पेयजल के लिए भटकने को मजबूर हैं।

खलीलाबाद के कटौवा गांव में अधूरी पड़ी पानी की टंकी।

जानकारी के अनुसार सितंबर 2022 में शुरू हुई इस परियोजना को निर्धारित समय सीमा के भीतर 18 माह में पूरा किया जाना था। योजना के तहत कटौवा और सिलवा गांव के करीब 770 घरों तक जल के माध्यम से शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया था। लेकिन निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिए जाने से ग्रामीणों का घर-घर पानी पहुंचाने का सपना टूटता दिखाई दे रहा है। गांव में खड़े अधूरे ढांचे और बंद पड़े निर्माण स्थल को देखकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि योजना शुरू होने पर उन्हें उम्मीद जगी थी कि अब हैंडपंपों और दूर-दराज के जलस्रोतों पर निर्भरता खत्म होगी। लेकिन वर्षों बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कई महीनों से निर्माण स्थल पर कोई मजदूर या अधिकारी दिखाई नहीं देता। टंकी का ढांचा तैयार होने के स्थिति में पहुंचने के बाद कार्य अचानक बंद कर दिया गया। तब से काम दोबारा शुरू नहीं हो सका। गर्मी के मौसम में पेयजल संकट और गहरा गया है जिससे महिलाओं और बच्चों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। गांव निवासी सोहन, राजेश, महेंद्र, विवेक, अमरजीत, राहुल व अन्य ग्रामीणों ने बताया कि सरकार की योजना का लाभ मिलने की उम्मीद में लोग लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन कार्यदायी संस्था और संबंधित विभाग की उदासीनता के कारण परियोजना अधर में लटकी हुई है। कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी और जल निगम के अधिकारियों से मामले की जांच कराकर निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराने तथा जिम्मेदार कार्यदायी संस्था के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द काम शुरू नहीं कराया गया तो ग्रामीण आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

> “ दस महीने से निर्माण कार्य पूरी तरह बंद है। कार्यदायी संस्था के सम्बन्धित ठेकेदार से सम्पर्क नहीं हो पा रहा है। जिससे कार्य रुकने की असली वजह ज्ञात नहीं हो पा रहा है। अपने स्तर से यह जल मिशन और ब्लाक को अवगत कराया जा चुका है
>
> राजकुमार, ग्राम प्रधान